जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, शुक्रवार, 17 फरवरी 2017

भोजन में आयोडीन जरूरी

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ का 66 वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पद्मश्री प्रोफेसर एमएम गोडबोले, आण्विक औषधि एवं जैवप्रौद्योगिकी विभाग, संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान ने भोजन में आयोडीन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने शोध के दौरान यह पाया कि उत्तर प्रदेश की तराई क्षेत्र में आयोडीन की कमी के कारण घेंघा रोग होता है। इस रोग से ग्रस्त लोगों में शारीरिक एवं मानसिक विकास गंभीर रूप से प्रभावित होता है। उन्होंने अपने दल के सहयोग से घेंघा जैसे रोग के नियंत्रण के लिए आयोडीन युक्त नमक को लोकप्रिय बना कर लोगों तक पहुँचाने मे प्रमुख भूमिका निभाई।

संस्थान के कार्यकारी निदेशक व परियोजना समन्वयक (गन्ना) डॉ. एसके शुक्ला ने संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों की चर्चा की। डॉ. शुक्ला ने बताया कि गन्ने की उन्नत प्रजातियों एवं वैज्ञानिक विधि से गन्ने की खेती करने से प्रदेश में गन्ने के उत्पादन में वृद्धि होने के साथ साथ चीनी परता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है व इस वर्ष उत्तर प्रदेश भारत में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक प्रदेश बन जाएगा।

the pioneer
LUCKNOW I FRIDAY I FEBRUARY 17, 2017

FOUNDATION DAY

The 66th Foundation Day of ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research was celebrated on Thursday. Dr MM Godbole of Molecular Medicine and Biotechnology, Sanjay Gandhi Post-Graduate Institute of Medical Sciences, delivered the Foundation Day lecture on 'Importance of iodine in food'. He spoke about his journey towards identifying the root cause of goitre and how deficiency of iodine hampers mental and physical health of the individual, Chairing the session, ICAR-Central Institute of Subtropical Horticulture director Dr S Rajan laid emphasis on the need of collaborative work for making available canned fresh sugarcane juice which is enriched with important minerals. In the foundation lecture programme, principal scientist AK Sharma proposed the vote of thanks.

om
लखनऊ
शुक्रवार, फरवरी 17, 2017
अमर उजाला

फील्ड में काम करेंगे तो मिलेगा विज्ञान का फायदा

लखनऊ। पीजीआई मॉलिक्यूलर मेडिसिन के फैकल्टी पद्मश्री प्रो. एमएम गोडबोले ने कहा है कि फील्ड में काम करने से ही विज्ञान का असली फायदा लोगों तक पहुंचता है। वह बृहस्पतिवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) के 66वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि. तराई क्षेत्र में अपने एक शोध के बीच हमने खुद फील्ड विजिट में जानलेवा बने.घेंघा रोग का आसान इलाज तलाशा। इसी क्रम में नमक में हमने आयोडीन को शामिल किया। इससे घेंघा नियंत्रण काफी मदद मिली। वहीं, आईआईएसआर के कार्यकारी निदेशक डॉ. एसके शुक्ला ने बताया कि नई विधियों व प्रजातियों का उपयोग कर चीनी के उत्पादन में बढ़ोतरी की गई है। इससे यूपी इस समय देश में सबसे अधिक चीनी उत्पादक राज्य बन गया है।

दैनिक जागरण | लखनऊ, 17 फरवरी 2017 | www.jagran.com

चीनी उत्पादन में इस बार उत्तर प्रदेश रहेगा अव्वल

गन्ना संस्थान के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने भी लिया हिस्सा

गन्ना अनुसंधान

- गन्ना संस्थान का स्थापना दिवस का हुआ आयोजन
- किसान समेत विद्यार्थियों को नई तकनीक के बारे में बताया गया

जागरण संवाददाता, लखनऊ : चीनी उत्पादन में इस वर्ष उत्तर प्रदेश देश में अव्वल होगा। गन्ना उत्पादन की नवीन तकनीकों से गन्ना उत्पादन बढ़ा है। साथ ही परता चीनी में भी वृद्धि हुई है।

यह बातें भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के 66वें स्थापना दिवस के मौके पर कार्यकारी निदेशक व परियोजना समंवयक गन्ना डॉ.एसके शुक्ला ने कही। उन्होंने कहा कि गन्ने की उन्नत प्रजातियों एवं वैज्ञानिक विधि से खेती करने से उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ चीनी परता में वृद्धि हुई है। यही वजह है कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश भारत में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक प्रदेश बन जाएगा।

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ.एस राजन ने विगत साढ़े छह दशकों में संस्थान द्वारा गन्ना किसानों व चीनी मिलों के हित में किए गए अनुसंधान व विकास कार्यक्रमों की सराहना की। प्रधान वैज्ञानिक डॉ.एके शर्मा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत कर धन्यवाद पारित किया।

उन्नत तकनीक की दी जानकारी

इस अवसर पर प्रसार एवं प्रशिक्षण प्रभारी डॉ.एके साह ने विद्यार्थियों एवं किसानों को उन्नत तकनीक पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोलख 94184 किस्म उत्तर प्रदेश व बिहार के किसानों में लोकप्रिय हुई है। अनुमान के मुताबिक इस किस्म की खेती एक लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्रफल में की जा रही है। डॉ.एसएन सुशील व डॉ.पीकेसिंह ने 300 से अधिक विद्यार्थियों एवं किसानों को संस्थान की प्रयोगशालाओं एवं शोध प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया। वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों की विज्ञान संबंधी जिज्ञासाओं का निवारण भी किया।

तराई क्षेत्र में आयोडीन की कमी से हो रहीं बीमारियां

संजय गांधी पीजीआइ के मॉलीक्यूलर मेडिसिन एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख पद्मश्री प्रो.एमएम गोडबोले कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। उन्होंने भोजन में आयोडीन के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि शोध के दौरान प्रदेश के तराई क्षेत्र मे आयोडीन की कमी के कारण घेंघा रोग होता है। इसके चलते लोगों का शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित होता है।

आज — प्रकाशन का 97 वाँ वर्ष

लखनऊ, शुक्रवार, 17 फरवरी, 2017 | www.ajhindidaily.com

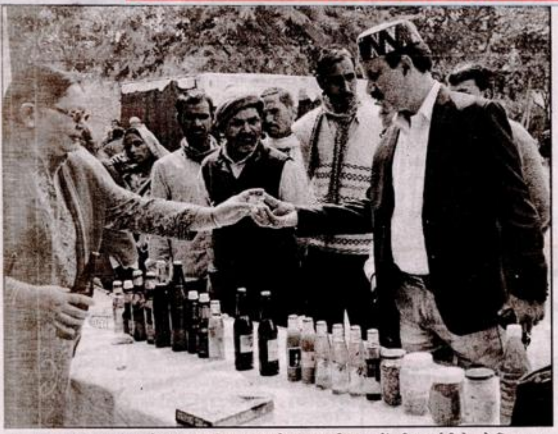

गन्ना अनुसंधान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह पर लगी उत्पादों की प्रदर्शनी देखते किसान।

भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान के 66वें स्थापना दिवस का आयोजन

लखनऊ, गुरुवार। मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी का असर मानवीय स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। यह कहना है पीजीआई के मौलीकुलर मेडिसन विभाग के प्रोफेसर डॉ एमएम गोडबोले का। जोकि शुक्रवार को भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धरती के अत्याधिक दोहन से उसकी 'उर्वरा शक्ति कम हुई है'। बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए रासायनिक खाद व कीटनाशक का अंधाधुंध इस्तेमाल मनुष्य को असमय बीमारी का भी शिकार बना रहा है। हमें प्राकृतिक खेती की तरफमुड़ना होगा। देश में गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक अजय कुमार शाह ने बच्चों को कृषि से जुड़े कार्यों और आगे चलकर कृषि को उद्योग के तौर विकसित करने की जानकारी दी। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान लखनऊ की स्थापना पूर्ववर्ती भारतीय केन्द्रीय गन्ना समिति द्वारा 16फरवरी 1952को गन्ने में शोध व देश के अन्य राज्यों में गन्ने पर हो रहे शोध की जानकारी साझा करने के उद्देश्य से की गई थी। इस मौके पर किसान व स्कूल के बच्चे और संस्थान के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। गुरुवार, 16 फरवरी 2017

सिटी बीट्स

- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का स्थापना दिवस समारोह, संस्थान परिसर, रायबरेली रोड, 10 बजे।

हिन्दुस्तान | लखनऊ • शुक्रवार • 17 फरवरी 2017 | 06

मिट्टी में कमी का असर स्वास्थ्य पर पड़ रहा

लखनऊ | हिन्दुस्तान संवाद

विशेषज्ञों की राय

- भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान के स्थापना दिवस का आयोजन
- वैज्ञानिकों ने खेती के विभिन्न पक्षों पर रखी अपनी राय

मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी का असर मानवीय स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। यह कहना है पीजीआई के मौलीकुलर मेडिसन विभाग के प्रोफेसर डॉ. एमएम गोडबोले का। जोकि शुक्रवार को भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे थे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धरती के अत्याधिक दोहन से उसकी उर्वरा शक्ति कम हुई है। बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए रासायनिक खाद व कीटनाशक का अंधाधुंध इस्तेमाल मनुष्य को असमय बीमारी का भी शिकार बना रहा है। हमें प्राकृतिक खेती की तरफ मुड़ना होगा। देश में गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक अजय कुमार शाह ने बच्चों को कृषि से जुड़े कार्यों और आगे चलकर कृषि को उद्योग के तौर विकसित करने की जानकारी दी। कार्यवाहक निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने संस्थान में चल रहे शोधों की जानकारी दी।इस मौके पर छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।